رِسَالَةٌ مُخْتَصَرَةٌ بِعُنْوَانِ:

«كَيْفَ أَدْخُلُ فِي الإِسْلاَمِ؟»

مُتَرْجَمَةٌ إِلَى اللُّغَةِ: الهندية

«मैं इस्लाम कैसे अपनाऊं»

अनुवादः साबिर हुसैन पुत्र मुहम्मद मुजीबुर रहमान

إِعْدَادُ الْفَقِيرِ إِلَى عَفْوِ رَبِّهِ:

هَيْثَم بْنِ مُحَمَّدٍ سَرْحَان

المُدرِّس بمعهد الحرم بالمسجد النَّبويِّ –سابقًا– والمُشرِف على معهد السُّنَّة

https://mahadsunnah.com/

غفر الله له ولوالديه ولمن أعانه على إخراج هذا الكتاب

قامَ بتَرجَمَتِها: صابر حسين بن محمد مجيب الرحمن -وفَّقَهُ اللهُ وسَدَّدَهُ-

الطَّبعة الأولى

[حقوق الطَّبع مُتاحةٌ لكلِّ مسلمٍ بدون أيِّ تغييرٍ في المُحتوى]

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

प्रश्न:	उत्तर:
क्या इस्लाम धर्म स्वीकार करना आसान है?	हाँ, इसके लिए किसी मध्यस्थ या अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं है।
क्या मुझे इस्लाम स्वीकार करने में जल्दबाजी करनी चाहिए, या मुझे उचित समय का इंतजार करना चाहिए, अथवा समस्याओं के समाप्त होने की प्रतीक्षा करनी चाहिए?	जल्दबाजी करना जरूरी है, क्योंकि इस्लाम स्वीकार करने में देरी करने से बुराइयां पैदा हो सकती हैं। आप किसी भी समय मर सकते हैं, और चूँकि इस्लाम में प्रवेश करना एक लाभदायक व्यवसाय है, और व्यापार आरंभ करने में आप जितना अधिक जल्दी करेंगे वह आपके लिए उतना अधिक लाभदायक होगा।
जो व्यक्ति इस्लाम अपनाना चाहता है उसे क्या करना चाहिए?	उसे केवल दो शहादत (गवाही) अर्थात: (अश्हदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अश्हदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहू) का उच्चारण करना है:
किस भाषा में इसका वचन लिया जायेगा?	जो भाषा वह अच्छे से जानता है उसी भाषा में इसका वचन ले सकता है, इसे अरबी भाषा में ही कहना शर्त नहीं है।

प्रश्न:	उत्तर:
क्या वह इसका अर्थ समझे बिना इसका वचन ले सकता है?	नहीं, बल्कि उसे इसका अर्थ समझना चाहिए, इसमें जो कुछ है उस पर विश्वास करना चाहिए और उसके अनुसार कार्य करना चाहिए।
"अशहदु" का क्या अर्थ है?	इसका अर्थ है: मैं अपने हृदय से स्वीकार करता हूँ, अपनी ज़ुबान से बोलता हूँ तथा अंगों के द्वारा इसके अनुसार कार्य करता हूँ।
"ला इलाहा इल्लल्लाह" का क्या अर्थ है?	इसका अर्थ है: अल्लाह के अलावा वास्तव में पूजा करने योग्य कोई नहीं है।
"अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु" का क्या अर्थ है?	इसका अर्थ है कि: वह अल्लाह के दास हैं जिनकी पूजा नहीं की जा सकती, तथा उसके रसूल (दूत) हैं जिनको झुठलाया नहीं जा सकता। इस गवाही से यह अनिवार्य हो जाता है कि: आप जो सूचना दें उसमें आपकी पुष्टि की जाए, आप जो आदेश दें उसका पालन किया जाए तथा जिससे आपने रोका और मना किया है उससे रुक जाए, एवं आपकी सुन्नत का अनुसरण करे और आपकी पैरवी करे।
मैं अच्छी तरह समझ गया, अब मुझे क्या करना चाहिए?	मेरे साथ-साथ दोहराएं: "अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहू (अर्थात: मैं इस बात की गवाही देता हूँ

प्रश्न:	उत्तर:
	कि अल्लाह के सिवा कोई सत्य पूज्य नहीं और इस बात की गवाही देता हूँ कि मुह़म्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) उसके बंदे और रसूल हैं”।
क्या अब मैं मुसलमान हूँ?	हाँ, अल्लाह का शुक्र है, यह आप पर अल्लाह की कृपा है।
अब एक मुसलमान के रूप में आप मुझे क्या करने की सलाह देते हैं?	मैं आपको सलाह देता हूं कि आप अल्लाह से प्रार्थना करें कि वह आपको अपने धर्म में दृढ़ बनाए रखे, अच्छे साथी चुनें जो इसमें आपकी मदद करें, इस्लाम सीखें और अपने इस्लाम को तब तक छिपाएं जब तक वह अल्लाह की इच्छा से मजबूत न हो जाए।
सर्वोत्तम दुआ (प्रार्थना) क्या है?	﴿ٱهۡدِنَا ٱلصِّرَٰطَ ٱلۡمُسۡتَقِيمَ ٦﴾ (इह्दिनस़्स़िरात़ल मुस्तक़ीम) अर्थात: हे अल्लाह! मुझे सीधा मार्ग दिखा।
सबसे आसान ज़िक्र (जाप) क्या है?	सबसे आसान ज़िक्र “बिस्मिल्लाह” कहना है, यह कहा जायेगा: मस्जिद एवं घर में प्रवेश करते समय एवं निकलते समय, क़ुरआन पढ़ते समय, शौचालय में प्रवेश करने के पूर्व, वस्त्र उतारने के

प्रश्नः	उत्तरः
	पूर्व, वुज़ू के पहले तथा खाने-पीने के पहले इत्यादि स्थानों पर।
इस्लाम में प्रवेश करने से पहले मैंने जो पाप किये थे उनका क्या हुक्म है?	इस्लाम अपने पहले के पापों को नष्ट कर देता है, सिवाय उन लोगों के अधिकारों के जिन्हें अदा किया जाना अनिवार्य है, अतः इसे उन लोगों को अदा किया जाना चाहिए जो इनके हकदार हैं।
शहादत (गवाही) के बाद अब मेरे ऊपर क्या अनिवार्य है?	आपके ऊपर स्नान करना अनिवार्य है।
मैं स्नान क्यों करूँ?	**प्रथम**: मुसलमान यह नहीं कहता है कि “क्यों” अपितु वह कहता है: ﴿سَمِعۡنَا وَأَطَعۡنَا﴾ (हमने सुना और अनुसरण किया)। **द्वितीय**: आप स्नान इसलिए करें ताकि अपने शरीर के बाहरी भाग को भी उसी प्रकार से शुद्ध कर लें जिस प्रकार से आपने शरीर के आंतरिक भाग को शुद्ध किया है।
अच्छा, ठीक है, मैं स्नान कैसे करूँ?	अपने दिल में स्नान करने का इरादा करके “बिस्मिल्लाह” कहते हुए समस्त शरीर पर पानी बहा लें।

प्रश्न:	उत्तर:
स्नान के बाद क्या करना है?	जब नमाज़ का समय होगा तो आप अल्लाह की अनुमति से नमाज़ अदा करेंगे।
मेरे लिये नमाज़ पढ़ना कठिन है, क्योंकि इसमें ऐसे कथन एवं कार्य हैं जिनको मैं अच्छे ढ़ंग से अदा नहीं कर सकता?	इस्लाम आसानी का धर्म है, कठिनाई का धर्म नहीं, अतः प्रशंसा और कृतज्ञता अल्लाह के लिए ही है।
मैं नमाज़ कैसे पढ़ूँ?	आप मुझे देख-देख कर नमाज़ पढ़ें, या नमाज़ सिखाने वाली वीडियो क्लिप देखें तथा इस पुस्तिका के अंत में सूचीबद्ध लिंक के अनुसार आपको मअहद अल-सुन्नत संस्थान के चैनलों पर कई भाषाओं में वीडियो क्लिप भी मिल जायेंगी।
नमाज़ के बाद अब क्या करूँ?	आपको इस्लाम के उन पाँच अरकान (स्तंभों) को जानना चाहिए जिनके ऊपर इस्लाम का आधार है, फिर ईमान के अरकान, और इसी तरह... यहाँ तक कि आप उन चीज़ों को पूर्ण कर लें जिनके द्वारा आपका इस्लाम और ईमान सही हो।

प्रश्न:	उत्तर:
इस्लाम सीखने के लिए आप मुझे किन वेबसाइटों पर जाने की सलाह देते हैं?	मैं आपको सऊदी अरब के प्रमुख विद्वानों और सामुदायिक दावा सेंटर की वेबसाइटों का भ्रमण करने की सलाह देता हूं।
मैं अपने ग़ैर-मुस्लिम रिश्तेदारों के साथ कैसा व्यवहार करूं?	आप उनके साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा व्यवहार नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ग़ैर-मुस्लिमों के साथ किया करते थे, क्योंकि आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अपनी ज़ुबान, अपनी नैतिकता एवं अपने व्यवहार से इस्लाम की दावत देने वाले थे।
कोई है जो इस्लाम अपनाना चाहता है, परंतु अपने परिवार को अपने इस्लाम अपनाने के बारे में नहीं बताना चाहता, तो उसका क्या हुक्म है?	कदापि आवश्यक नहीं है कि वह अपने इस्लाम के बारे में किसी को बताए, क्योंकि उसका इस्लाम उसके एवं उसके अल्लाह के बीच का मामला है।
इस्लाम में सबसे अच्छी किताब कौन सी है?	सबसे अच्छी किताब पवित्र क़ुरआन है, क्योंकि यह सर्वशक्तिमान अल्लाह का कलाम (वाणी) है।

प्रश्न:	उत्तर:
पवित्र क़ुरआन में सबसे महत्वपूर्ण सूरह कौन सी है?	सबसे महत्वपूर्ण सूरह अल-फ़ातिहा है, यही कारण है कि हम इसे नमाज़ की हर रकअत में पढ़ते हैं।
पवित्र क़ुरआन में सबसे महान आयत कौन सी है?	पवित्र क़ुरआन में सबसे महान आयत आयतुल कुर्सी है।
मैं क़ुरआन कैसे पढ़ सकता हूँ?	क़ुरआन सीखने और तिलावत सुनने के द्वारा, जैसे शेख हुज़ैफ़ी एवं शैख़ हुसरी आदि की तिलावत को सुनना।
मैं क़ुरआन को कैसे समझूं?	आप इसे उम्मत के प्रशंसित विद्वानों द्वारा लिखित तफ़्सीर (व्याख्या) की पुस्तकों को पढ़कर समझ सकते हैं।
मुझे क़ुरआन की तफ्सीर कहां मिल सकती है?	मैं आपको पैग़ंबर के शहर मदीना में स्थित क़ुरआन प्रिंटिंग कॉम्प्लेक्स का दौरा करने की सलाह देता हूं।
क़ुरआन के बाद आप मुझे क्या पढ़ने की सलाह देते हैं?	मैं आपको नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की प्रामाणिक हदीसों को पढ़ने की सलाह देता हूँ।
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की हदीसों की	हदीस की सर्वोत्तम और सबसे सही किताब "सहीह अल-बुख़ारी" नामक किताब है। उम्मत इस के सर्वोत्तम होने पर एकमत है। मैं आपको

प्रश्नः	उत्तरः
सबसे अच्छी किताब कौन सी है?	इस पुस्तिका के अंत में पुस्तक डाउनलोड लिंक का उपयोग करने की सलाह देता हूं।
पैग़ंबर की सुन्नत में सबसे महत्वपूर्ण ह़दीस़ कौन सी है?	इनमें से सबसे महत्वपूर्ण ह़दीस़, ह़दीस़ -ए-जिब्रील है, जो धर्म के तीन स्तरों की व्याख्या करती है: इस्लाम, ईमान एवं एहसान।
मुझे डर है कि मैं इस्लाम नहीं सीख पाऊंगा?	डरें नहीं, बल्कि अल्लाह पर भरोसा रखें, सर्वोच्च व सर्वशक्तिमान अल्लाह आपके प्रयास में आपकी सहायता करेंगे, धर्म आसान है, अल्लाह आपको उस चीज़ का अनुग्रह प्रदान करे जिसे वह पसंद करता है और उससे प्रसन्न होता है। आप पुस्तिका के अंत में दिए गए लिंक से हमारे संस्थान "मअहद अल- सुन्नत" पर जा कर, घर बैठे ही निःशुल्क अध्ययन कर सकते हैं। अंत में, मैं आपको नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इस कथन के द्वारा वसीयत करता हूँ: "जो वस्तु आपके लिए लाभदायक हो उसके लिए प्रयास करें, अल्लाह से सहायता मांगें और असमर्थता का प्रदर्शन न करें"।

मअहद अल-सुन्नत चैनलों के लिंक

टेलीग्राम का लिंक

फेसबुक का लिंक

मअहद अल-सुन्नह वेबसाइट

वाट्सअप का लिंक

हैसम सरहान वेबसाइट

किताबें डाउनलोड करने का लिंक

यूट्यूब चैनल 1

यूट्यूब चैनल 2

यूट्यूब चैनल 3